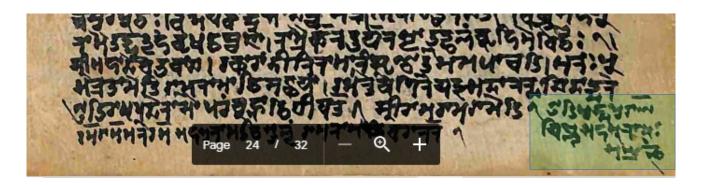
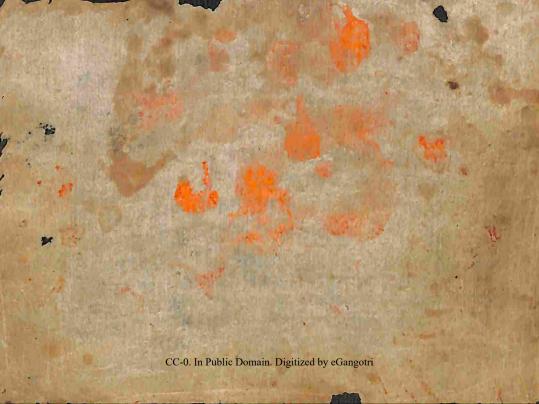
1 June baramulla 1.pdf

<u>Title: Vishnu Sahasra Nama (Padma Purana)</u>





विसं ०

हिन्भनगर्याण्य र हि सक्ताध्वरणविश्वमिति वर्डमाउ इतं भूभन्त्रम् एये स्विति ये प्रमान्ये १ प्रम नेक कित्र भुभिनग्रह गरियं माध्य सम्भाव सम्भा इस्नेयंभरः नेभिधनिभिधियाँ इद्येयः सेप्कर्यः। क्राविष्यभार्भ्यथ्यस्य विष्यक्षित्रः विषयक्षाः व विन शहे विन भए । विन छने विन छने विन कि स्वित गर्दः विन'मण्ड्रभभे देशक्ष भनि हवाभु न्यानगरः । ह्रवाध्यवेद्रवेमभिउभुधिमद्भरः विध्नभ्राणयेन् वेलप्यान्यन्यन्यः। एमभवप्रम्धः धार्वद्ययम स्राः यस्याम् प्रश्निष्या । स्राम्यानिस्रान्ति केलाभित ग्वरभनि प्रविद्यार्गानुसम् अलिप्डभन् प्रेसेप्ट्या है न CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangoti

कर्राक्षण्या, भनवा सक्षाया, भडभड्व, भ विभी विषय विषयि हिंदी विषयि विषयि । ित्रे भवश्वकर जुड्डा ध्यवा र रहेक या नी सर्वेद उत्पान्ती धर्वेद उत्यानी विश्वेद उपारण निर्देश मितिनी मेथ्य, निर्देश धवात्र । अवयमस्य या या या गणवात्र भारत लेखना क्यां प्राचानका अद्राक्ष्य वर्षे एच्याया निर्वास्त्रमयाया भवहन्त्राक्ता अहेक एउ तर रहे या गई गड्या जिल्हा था भन वये। भवव्यस्यप्याभवनभ्रथप्रभव्यः। स्व CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotric

भर्यकापहर्द्ध स CC-0. In Public Domain. Digitized by

, रहेन्द्रहरू,

相が

भिक्तश्रमग्रीराविष्या उउ। धाच अधिक भज्ञ भूते। पिया ध्याप



मकरहित्र विशेष लेने हिन्दी व सिर्व विशेष विशेष अया वेत्रकारच जिल्लाचा स्रोतराय विज्ञान के नियह विया अभियान है वहने ये काले गेथनेपीरप्राधियांचा जीलगेरीस्राधार्यः। विस्या गर्ने जिस्या निर्धि भवन्या के भवर्ष पीविभित्रस्य। भद्रः ज्ञानलया पार्विभाग्या भ इत्याक्माया उत्तरिक्षण्या प्रभाय। भवगान्त्र इत्रक्यां माभावतान्त्रया छाञ्च क्षण्याचा डीमभनयसभ्यस्य। सन्तीपनिभडण्ड राज्य किला हे हे कर हिल्ला का प्रकार किला के हा अ उके काला है। इतिनी राजा व दिन संभाग के ति

क उस्ता चुरश्य । जनक 州外级高川至江河州省伊南南河河 AIT TIMBER DIST मियवग्रामया

विसंध

मझक्रेम्पिडिसायडे। धेरमस् ४५११क्या मिनूकेहेर् उथउप नभ्र क्रिया । भारत नहीं वर्ग गर्ड। वहत्वरुधा भूगभभग ग्राम्क निक्षं नयवे नम् उउ। यभन्थउचे। अनी ५ प्रिलीन । जुरु इत्य । सीमभग्र हजार अर्था निर्देश विश्व । महा विश्व प्राप्त । विस्यान्त्रिक्तार्या वस्त्रीत्वर्था वस्त्रीत्वर्था वस्त्रीत्वर्था वस्त्रीत्वर्था वस्त्रीत्वर्था वस्त्रीत्वर्था 为有的不思的后。中国的不是有民民,在1915年的 या भारत भी एल ही हा अवधी । उत्तर वाया वर्ष सुरायुग्रस्य भगीकि प्रतिबन्धिक गर्डा भनिनी निष् चंडनीर्वा चल्ननभर्म प्रत्या अन्ध्रम् क्रिय केरि 5 लिल क्रिक्च

धक्रकामिक्रक्षिक्ष स्थान स्थान स्थान स्थान माथ है ले वस्त्र के बार है चार डिस्यान्य उभाइतिस्रिधेस्या क्षेत्रस्य । राउपउचा भग्नाष्याम्भूगं अक्या चन्त्रया रियम्भाम्या गाउक्जिया श्राम्या अस् भवा विद्यविष्णप्रा भारया क भी मनी भि एच। उधा धार्य। विश्वक उवा विश्व हुए । निरुद्धाः । एत्र । एत् उरगतिणयकाय। मर्डहमेकविक्रधने। भविज्ञधन किरिये विस्तरित त्राल्य विकारित विस्तरित र्भग्रा भवकाउतिमङ् । स्वीस्य । रागायाण्य । १४ -या इपराण्याभवप्रभागे के एक या वस्त्रक राज्य CC-0. In Public Domain. Digitized by comparts

विभुश

वामधान्य

विंगु

विवे नगरय। हेब्धिशे ध्यावण्या महानय। कर्या भ्रवंकर्ण भ्रवन्य भ्रवन्य व्या या यानाभा अया गाइके । डीग्री भया चुडचा क नकर्य वर्गधण्या चुन्य, श्रेमन्य चुनुरू या बद्या ४५ वलाउभाचा उज्ञेशक्या वर्गाला रूवा लियार्थ। अर्थ। अर्थ। अर्थ। अर्थ। अर्थ। अर्थ। अर्थ। अया जेमधर का अला, मुख्य से विच्या विच्याया थ लेवाय। कर्मायाय। भारती भितिथुउय। भानाय। 中中文文,本河外了中国。15年至2719日 या करिंग्लया भाजा वर्रारण यक्तया प्राप्त 55 यूथा वसक्या, कन्त पाराया राहमेश्वाया क भवन्ते। त्रिन् प्रया प्रहा भाषा ग्रम्स

मर्विडिडिं भया थिई। भित्रया भगस्य। राग्स्यावास कर्त निवाय रिक्य प्रक्रमय विकारण या में अने निवास विद्रुक्त भव्यम् विद्वान भारत्ये भारत्ये भारत्य भनेपार विविचन्त्रभा इक् चर्द्रलेक कि भवश्यक भाग्नभी वि अलेकस्थानभवगत्तिनिम्माभाभभभभभिक्रम् नियानियान्य। कभन्ति गरिने धभने भनि विभेजन्भे । मनिरं पावल र जिम्ह थाउकि नामिया भविधा भागान भाजभव हिस्ड नथ्य। भूभ भृषि भ्रमभने भवगिष्ठितन मन्म । याव प्रत्रथम भने जी वृद्ध विक्ना भनेभा दला र्याप देशह जिण्ड्यम् क्रिमाभव वर्धमंभव भिष्ठिमंभव क्रभाम । डीड्याउपरान्य उक्ति हल्ला प्रमा रेगाइड् "निम्बर्ग। वड्डन्थर इस्मचन्या निर्वे भूमन्। CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

विः

इडवि<del>धरं</del> भिग्दभीमविन्यनं, मध्यभूष्टभूष्यं भवन्त्रेत भग्नस्था विकारितः अप्राप्ति भागानिकारः क्षा अध्यान स्थानिक विकास स्थानिक डिधिये। उस्मिक् डिभविश्व भक्ति हा क्रिमड लिख भी त्वर्वन स स्मा अहरा भवकर्ष । उसे हर इसे ने अप हे भी कि मार्च ज्ञ नचे धन यह इंदिकन्ते भद्र इते। हाई सुद्ध विद्रित्य विद्यस्थ अध्यानि । प्रयोग इस विद्यानि । प्रयोग अध्यानि । प्रयोग । प्रयोग अध्यानि । प्रयोग । प् अक्ट स्टेनरं गर्दी श्रेन्य भगभः। क्रिलेम भटः दलके धायहरीचाउ भिज्ञा के कमा हु छ दीनामा यन नुस रहाइप्रवेधवश्चरम्य व उहिन्ना ग्रामिन । भारति । भारति । सिविधेन्परंभम्भ नुसिविधेः परंदर्नन्ति स भिषिष्ठः भग्भन्य भिषिष्ठः भग्नियः। निष् न्नाप्रभवभवध्वभा किउध्यम् हिःभवः

विकंश

विंसं

ब्रांकिश्वाद्यां स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स बर्धिकनायंथा, शंगान्धेन अतिएउ। धी परयो भ देभर्ग में में गया जिये हुने भवीर कल्भारा प्राप्तिक । उड्डिक हरे हो भारत भारत भड्यन मन्या भविष्ण वक्या भविभिक्तिय भवित्रकेद्वामानन्तर्गरक्षेत्रिया भिन्न क्रिय्या है जिन्य द्रागु भया किने व भर्य , रहगडभावनं भावनं भ्रहण्ड 系列斯伊尔地震等。他司司司司马克斯斯特的

उउल्पा राउभाईक हज्जकथा।

30 30 B

उयमंविष्डिणिक्षक्री विरुद्धार्याः विल्लानियमञ्जूः भण्हि इत्त्रकः। उथाविन निर्मान निर्म निर्मान क्रिविक्न क्रिक्न क्रिक क्रिक्न क्रिक्न क्रिक क्रिक्न क्रिक्न क्रिक्न क्रिक्न क्रिक क्रिक्न क्रिक्न क्रिक्न क् निकेनर व करा वर्षा कंपना यह इसा समाध्य करे करें नने मेन् इयेण्य त्र वेश भागी भवा । सम्यविद्र ले भाग्य त्र भगवा। कुन्। इंड या विद्या विद्या स्थान उलीवन भेडीवनीय इ.। १९ गर इउ संर्थ ५ हिमेदिउः। नध्याप्त्रन्यमञ्ज्याध्याप्त्रप्रम्भवर्षे क्रम्याध्या वेस्वयह स्थार मन्त्रिया है भारत मन्त्रिया । न्भडर ३५ दे भड छ ले. नुभूक ने उठ न छ पुर ने कि है। ने म्भावतित्रवित्र । । वद्यां भीतिन भाविष्य १६ ३ में मधा चां। भने १५ । भन्न भावति । स्थान भावति । अन्तर्वा । अन्तर्व लिडियभप्रतिने भागवरिति विविद्य । सीरित्र भागिति विविद्याल THE HATTH HELT HIS TO A PHAT HE TO THE TOTAL OF THE PROPERTY O

गरा भयभू हमेच छान्ति दश्यान हन। भवती प्रभविश्वाभव मास्भयर्डा भवर्डभयाव्धः भट्गडंबर्र्यद्रभाग्रह द्रभारेशवधेना ने गाम याम जा मिया विद्यारा विद्यारा ग्रादीडाभाउडाभारणशहरिः।यत्रश्रेत्रे अन्तर्भित्र निर्मा महिन्द्रभद्र इस्र भ्रम्भू भाषा है है । विर्मानित अन्तः त्रञानिभेभ्यते। वर्धार वर्णात् वर्भावाति गर्भावाति गर्भावाति गर्भावाति । लरीकराजिल प्रदर्भपश्चीती बाउल्येः। डा भिक्रिकित्र लड़ीक उभवर है। वर्देश देश है अपने स्वापित ५३ भंगिक भाष के धरे मी भन्न वर्भ ज हम वहार के भन्न इस ए जिल्ली भारितः। भाषिकाभाइयार्षिणियुर्यभावतः। भूक मिरिनेयेथ्य कर्म पिर्टमे अये। यु ने भवे स्ति प्रिक्त के मेड्रमः। हवर्राह् यन्त्रहेश्मभ्यः वर्षात्र । भद्यस्य भन्द हर्णभारत कृष्ण वियो दिन्द्रीय इदाया पान्य विवेश मित्र देश वा विराष्ट्रभापतः प्रतिहर्भ वृत्तिता । तः गायमतः भेगेष्ठे वियभगष्ट CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

करमाहें हुन था या ये भनी इस भार रहें, है उब इ स्तेक्य बारमा स्थाप स्थाप विश्वास म्राचा है ए सम्या नन् स्थापा प्राचित्र निर्देश रू। भवाने इया भट्ट भट्ट वाका तभट तिय अक्य म्भाष्ट्रभवरेग्धाया अवन्त्रत्भाध्य राजा मके िरार्थाया निमान मेथे ने इसे राज्याने व नुस्त्राचा एगड्यम्डी धण्ण्या भेभे धन्त्र। ५५३। राजिश्वक व्यक्त वाज्यस्य विश्वति स्था शिंद्र वी वि क्रिलिं डे वि जिन महा हम्या मह रिथम्भाक्ता

किंभ द

ध्याणी अध्यक्ष वर्षः यथ्ये वर्षः स्थापितः । प्रयोगने भेटाज्य भाग उद्देशिया है। व्यानक का हर क्षार्य करिए विश्व निवाद विश्व है कि कि स्वार्थ करिए कि だとのからいではれて行うできるといるといるというという ध्या इति ब्ला ३: प्रतिभी भित्रः। अव ३: ध्रवभ प्रति । इति निव्वरभित्रेया रण्याकी एक द्वार्थ निव्यक्त स्थानिय विस्तरभयधेकत्व हार्तः अस्य है। उद्देशक विस्तर उन्हामचडवरः कार्ये कार्यात्राम् विकास व्यक्तिया विकास के विकास के ति कि कि कि कि कि कि कि कि कि हिता वहार का तिला इसे बार भारत हिता में के हिता है। यं या जिथा ने भाग कि इन्हें सग उभाग ।

भदवगया भने बेंगाया निमानगया भवाषाय विय म्भारा उपहमद्रारा द्रारा थारा अहथारो निक्या भंडेर्य। भद्भरत्या थंडाला थाडा इथिला मडिहार या विमेथ इसे। उसे रेसे। अहर करेसे। यु इ इक्शेर मचा वभरतंचा वभया वभडः धर्मिक्ना । भिन विगाधनिता भिन्नयाभवेष अभिग्रेश किन्द्रे । कि ग्राहिका विभागना भरतने बहराचा भद्रभाषा विमाणया अधिहणया विमाध्य है, वर्षा अधि डियुश्ति। भेट्रश्यन्य। पीउर् इक्राय कल्या भण्डा भष्ठकाया जमनाया वनसहस् वाल्भन य।निरमम्भधारण्य।व्यमाननिनिक्षानि। श्रु.

भवमानिना शर्गाविहा हमान्य। उत्तर्याकाना निमामारिला चनेक मुने । निभित्र प्रयानिभित्रया म ्त् । निरुक्त्या देश्यानुहासून्य । निरुद्दे नुरुद्दाय नहे बन्या डर्ग्डाक्ति, कन्या इक्रिक्ट्र या न्यापया भदानेष्य । मञ्जिष्ट्य । दिनम नय , निष्ठिषाय। भग्यम्य। लेक्ष्यम्य। रग र्द्धा रिल्ट्स्य। रिल्क्र प्रट्रिप्त म रेखं दी इद्रभक्रेयां कृत्यां नेजारी, क्लेश्वाया मक्ष्यासम्भवा वेम्प्ट्या वर्षे वेस कर्या कर्या 

